



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 244]  
No. 244]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 20, 1985/वैशाख 30, 1907  
NEW DELHI, MONDAY, MAY 20, 1985/VAISHAKHA 30, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1985

अधिसूचना

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 20th May, 1985

NOTIFICATION

का. आ. 402 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सुरेन्द्रनगर काटन आयाल और आयालसीड्स एसोसिएशन लिमिटेड, सुरेन्द्रनगर द्वारा मान्यता की नवीकरण के लिए किये गये आवेदन पर बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास की अग्रिम संविदाओं के बारे में 23 मई, 1985 से 22 मई, 1987 (दोनों दिन शामिल) तक दो वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का पालन करेगी जो बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायें।

S.O. 402(E).—The Central Governments, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Surendranagar Cotton Oil and Oilseeds Association Ltd., Surendranagar, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 23rd May, 1985 to the 22nd May, 1987 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[मिसिल संख्या 12(2)-आई. टी./83]

[F. No. 12(2)-IT/83]

## अधिसूचना

का. आ. 403 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन अहमदाबाद काटन मर्चेन्ट्स एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास की अग्रिम संविदाओं के बारे में 31 जुलाई, 1985 से 30 जुलाई, 1987 (दोनों दिन शामिल) तक दो वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निदेशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायें।

[मिसिल संख्या 12(2)-आइ. टी./83]

पी. एन. काउल, आर्थिक सलाहकार

## NOTIFICATION

S.O. 403(E).—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchants' Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1985 to the 30th July, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-11/83]

P. N. KAUL, Economic Adviser